Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

National Conclave on Women in STEM

Newspaper: Amar Ujala **Date: 22-11-2022**

'महिला सशक्तीकरण से होगा देश के विकास का मार्ग प्रशस्त'

हकेंवि : एसटीईएम में महिलाओं पर केंद्रित राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के महिला सशक्तीकरण प्रकोष्ठ द्वारा विज्ञान, तकनीक, अभियांत्रिकी एवं गणित (एसटीईएम) में महिलाओं की भूमिका विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि महिलाओं का अस्तित्व सुंदर जीवन का आधार है और हम सभी को देश की प्रगति में महिलाओं के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें सम्मान देना चाहिए। मुख्यातिथि सीएसआईआर-राष्ट्रीय विज्ञान संचार और नीति अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर) नई दिल्ली की निदेशक प्रो. रंजना अग्रवाल ने लड़कियों के संदर्भ में एसटीईएम में शिक्षा की आवश्यकता और विज्ञान, करियर के विभिन्न क्षेत्रों में उनकी सक्रिय भागीदारी पर बल दिया।

एबीबीसी अजमेर, राजस्थान की सहायक निदेशक प्रो. मोनिका भटनागर ने ऑनलाइन माध्यम से विषय पर अपने विचार रखे। विश्वविद्यालय की शोध अधिष्ठाता, स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, विख्यात भौतिक विज्ञानी प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने भी एसटीईएम में महिलाओं की भूमिका के बारे में प्रतिभागियों को अवगत कराया। कार्यक्रम संयोजक व महिला सशक्तीकरण प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. रेणु यादव एवं समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह एवं अनीता कुमारी ने कार्यक्रम के आयोजन में महत्वपूर्ण योगदान दिया। विश्वविद्यालय की पोषणजीव विज्ञान विभाग की छात्रा महिमा, तोशी, ईशा और मंजीत, शिक्षा पीठ की शोधार्थी मधुसमिता बेहरा ने छात्र समन्वयक के रूप में काम किया।

सम्मेलन में प्रो. रंजना अग्रवाल को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर। संवाद

अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का समापन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(हकेंवि) में रिसर्च राइटिंग एंड पब्लिकेशन पर केंद्रित पांच दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का समापन हुआ। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एंड स्टडीज द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में प्रो. आनंद कुट्टन बी उन्नीथन, प्रो. एनी रोगविन, प्रो. फिल हेरिस, प्रो. जस्टिन पॉल, प्रो. मिनास, प्रो. सेलोपात्रा, प्रो. अविरल तिवारी, प्रो. अर्नेस्टो नोरोन्हा जैसे देश-विदेश के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को पत्रिकाओं के डिजाइन, लेखन और प्रकाशन के कौशल में सुधार करना और शोधकर्ताओं को शोध विषय का चयन और समीक्षा जैसे अनुसंधान के मूल सिद्धांतों से अवगत कराना था। संवाद

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 22-11-2022**

महिला सशक्तिकरण से ही होगा देश के विकास का मार्ग प्रशस्त: प्रो. रंजना

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि महेंद्रगढ़ के महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ द्वारा विज्ञान, तकनीक, अभियांत्रिकी एवं गणित (एस-टी-ई-एम) में महिलाओं की भूमिका विषय पर सोमवार को राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

एसटीईएम में महिलाओं की भूमिका विषय पर केंद्रित इस एक दिवसीय सम्मेलन में एसटीईएम के विभिन्न क्षेत्रों में नेतृत्व की स्थिति में काम करने वाली प्रख्यात महिला वैज्ञानिकों को युवा पीढ़ी, विशेष रूप से लड़की, को उनकी सक्रिय भागीदारी और अकादमिक और करियर के अनुसरण के लिए प्रेरित करने के लिए आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि महिलाओं का अस्तित्व सुंदर जीवन का आधार है और हम सभी को देश की प्रगति में महिलाओं के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें सम्मान देना चाहिए।

इस सम्मेलन का आयोजन महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ द्वारा विद्यालयों, महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों की छात्राओं के लिए किया गया। आयोजन की मुख्य अतिथि सीएसआईआर- राष्ट्रीय विज्ञान संचार और नीति अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-एनआईएससीपी आर), नई दिल्ली की निदेशक प्रो. रंजना अग्रवाल ने लड़कियों के संदर्भ में एसटीईएम में शिक्षा की आवश्यकता और विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित और मैपिंग करियर के विभिन्न क्षेत्रों में उनकी सक्रिय भागीदारी पर बल दिया। एबीबीसी, अजमेर, राजस्थान की सहायक निदेशक प्रो. मोनिका भटनागर ने ऑनलाइन माध्यम से विषय पर अपने विचार रखे। विश्वविद्यालय की शोध अधिष्ठाता व स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान व विख्यात भौतिक विज्ञानी प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने भी एसटीईएम में महिलाओं की भूमिका के बारे में प्रतिभागियों को अवगत कराया। कार्यक्रम संयोजक व महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. रेणु यादव एवं समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह एवं अनीता कुमारी ने कार्यक्रम के आयोजन में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया।

सम्मेलन में मुख्य अतिथि प्रो. रंजना अग्रवाल को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार

विश्वविद्यालय की पोषणजीव विज्ञान विभाग की छात्रा महिमा, तोशी, ईशा और मंजीत; शिक्षा पीठ की शोधार्थी मधुसमिता बेहरा ने छात्र समन्वयक के रूप में काम किया। इस सम्मेलन में नेशनल मॉडल स्कूल की छात्राओं व शिक्षकों सहित विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्षों, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों ने प्रतिभागिता की।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 22-11-2022**

महिला सशक्तीकरण से होगा देश के विकास का मार्ग प्रशस्त : प्रो. रंजना

हकेंवि में महिलाओं की भूमिका विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन का हुआ आयोजन

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के महिला सशक्तीकरण प्रकोष्ठ द्वारा विज्ञान, तकनीक, अभियांत्रिकी एवं गणित (एसटीईएम) में महिलाओं की भूमिका विषय पर सोमवार को राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य युवाओं के समक्ष उपस्थित चुनौतियों के निदान व अवसरों पर संवाद स्थापित करना था। एसटीईएम में महिलाओं की भूमिका विषय पर केंद्रित इस एक दिवसीय सम्मेलन में एसटीईएम के विभिन्न क्षेत्रों में नेतृत्व की स्थिति में काम करने वाली प्रख्यात महिला वैज्ञानिकों को युवा पीढ़ी, विशेष रूप से लड़की, को उनकी सक्रिय भागीदारी और अकादमिक और करियर के अनुसरण के लिए प्रेरित करने के लिए आमंत्रित किया गया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि महिलाओं का अस्तित्व सुंदर जीवन का आधार है और हम सभी को देश की प्रगति में महिलाओं के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें सम्मान देना चाहिए। कुलपति ने इस अवसर पर तकनीक के महत्त्व का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके प्रभाव से महिलाओं के लिए अवसरों में इजाफा हुआ है और वे अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन कर पा रही हैं। इस सम्मेलन का आयोजन महिला सशक्तीकरण प्रकोष्ठ द्वारा विद्यालयों, महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों की छात्राओं के लिए किया गया। आयोजन की मुख्य अतिथि सीएसआइआर-राष्ट्रीय विज्ञान संचार और नीति अनुसंधान संस्थान (सीएसआइआर-एनआइएससीपीआर), नई दिल्ली की निदेशक प्रो. रंजना अग्रवाल ने लड़कियों के संदर्भ में एसटीईएम में शिक्षा की आवश्यकता और विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित और मैपिंग करियर के विभिन्न क्षेत्रों में उनकी सक्रिय भागीदारी पर बल दिया। एबीबीसी, अजमेर, राजस्थान की सहायक निदेशक प्रो. मोनिका भटनागर ने आनलाइन माध्यम से विषय पर अपने विचार रखे।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य अतिथि प्रो. रंजना अग्रवाल को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ● सौ. प्रवक्ता

विश्वविद्यालय की शोध अधिष्ठाता व स्कूल आफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान व विख्यात भौतिक विज्ञानी प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने भी एसटीईएम में महिलाओं की भूमिका के बारे में प्रतिभागियों को अवगत कराया। कार्यक्रम संयोजक व महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ की संयोजक डा. रेणु यादव एवं समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह एवं अनीता कुमारी ने कार्यक्रम के आयोजन में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। विश्वविद्यालय की पोषणजीव विज्ञान विभाग की छात्रा महिमा, तोशी, ईशा और मंजीत; शिक्षा पीठ की शोधार्थी मधुसमिता बेहरा ने छात्र समन्वयक के रूप में काम किया। इस सम्मेलन में नेशनल माडल स्कूल की छात्राओं व शिक्षकों सहित विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्षों, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों ने प्रतिभागिता की।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Tribune **Date: 22-11-2022**

'महिला सशक्तीकरण से होगा देश के विकास का मार्ग प्रशस्त'

महेन्द्रगढ़, 21 नवंबर (निस)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के महिला सशक्तीकरण प्रकोष्ठ ने विज्ञान, तकनीक, अभियांत्रिकी एवं गणित में महिलाओं की भूमिका पर सोमवार को राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। सीएसआईआर-राष्ट्रीय विज्ञान संचार और नीति अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली की निदेशक प्रो. रंजना अग्रवाल ने लड़कियों के विज्ञान, प्रौद्योगिकी में उनकी भागीदारी पर बल दिया। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तीकरण से देश का विकास का मार्ग प्रशस्त होगा।

दैनिक ट्रिब्यून Tue ht

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 22-11-2022**

महिला सशक्तिकरण से होगा देश के विकास का मार्ग प्रशस्त: प्रो. रंजना

महेंद्रगढ़, 21 नवम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ द्वारा विज्ञान, तकनीक, अभियांत्रिकी एवं गणित में महिलाओं की भूमिका विषय पर सोमवार को राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

एस.टी.ई.एम. में महिलाओं की भूमिका विषय पर केंद्रित इस एक दिवसीय सम्मेलन में एस.टी.ई.एम. के विभिन्न क्षेत्रों में नेतृत्व की स्थिति में काम करने वाली प्रख्यात महिला वैज्ञानिकों को युवा पीढ़ी, विशेष रूप से लड़की को उनकी सक्रिय भागीदारी और अकादमिक और करियर के अनुसरण के लिए प्रेरित करने के लिए आमंत्रित किया गया।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के

सम्मेलन में मुख्यातिथि प्रो. रंजना अग्रवाल को स्मृति चिन्ह भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि महिलाओं का अस्तित्व सुंदर जीवन का आधार है और हम सभी को देश की प्रगति में महिलाओं के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें सम्मान देना चाहिए। कुलपति ने इस अवसर पर तकनीक के महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके प्रभाव से महिलाओं के लिए अवसरों में इजाफा हुआ है और वे अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन कर पा रही हैं।

आयोजन की मुख्यातिथि सी.एस.आई.आर.-राष्ट्रीय विज्ञान संचार और नीति अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली की निदेशक प्रो. रंजना अग्रवाल ने लड़कियों के संदर्भ में एस.टी.ई.एम. में शिक्षा की आवश्यकता और विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित और मैपिंग करियर के विभिन्न क्षेत्रों में उनकी सक्रिय भागीदारी पर बल दिया। ए.बी.बी.सी., अजमेर, राजस्थान की सहायक निदेशक प्रो. मोनिका भटनागर ने ऑनलाइन माध्यम से विचार रखे।

विश्वविद्यालय की शोध अधिष्ठाता व स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान व विख्यात भौतिक विज्ञानी प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने भी एस.टी.ई.एम. में महिलाओं की भूमिका के बारे में प्रतिभागियों को अवगत करवाया।

इस सम्मेलन में नैशनल मॉडल स्कूल की छात्राओं व शिक्षकों सहित विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्षों, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों ने प्रतिभागिता की।